पृष्ठ-12+रविवारीय | मूल्य 5.00 रुपये

।।श्री हरिः।।

ओडिशा
वर्ष 7, अंक 147

सन्मार्ग

31 जनवरी, 2016

रविवार

नमो ऽस्तु रुद्रेभ्यो ... नमो ऽस्तु रुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्य:

आपसी समन्वयन का मंच है नराकास : अध्यक्ष

भुवनेश्वर : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) भुवनेश्वर (केंद्रीय) की 58वीं बैठक का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर के सामंतपुर परिसर के प्रेक्षागृह में किया गया। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर आरवी राज कुमार को इसका नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिनकी अध्यक्षता में यह प्रथम बैठक आयोजित की गई। नराकास अध्यक्ष प्रोफेसर आरवी राज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि नराकास एक आपसी समन्वयन का मंच है जिसके माध्यम से हम एक दूसरे की सहायता कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि जब मुझे नराकास का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था तब मैंने सबसे पहले नराकास की वेबसाइट का निर्माण करने का निर्णय लिया था। नराकास की वेबसाइट के माध्यम से हम एक दूसरे से अच्छे से संवाद

कर सकेंगे और सूचनाओं का प्रेषण भी तेज गति से किया जा सकेगा। उन्होंने अपने संबोधन में सभी सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया कि हमसभी आपसी समन्वय स्थापित करे जिससे हम राजभाषा नीतियों का कार्यान्वयन को सुचारू रूप से कर सकें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते रहेंगे जिससे हम निरंतर एक दूसरे की सहायता कर सकें। अवसर पर प्रोफेसर बीके मिश्र, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईएमटी ने अपने संबोधन में कहा कि यह बहुत आवश्यक है कि हम अपने संस्थान के साथ-साथ नगर में राजभाषा नीतियों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इसमें कार्यालयों प्रमुखों के उपस्थित होने से उन्हें राजभाषा नीतियों की

नराकास भुवनेश्वर की 58वीं बैठक आयोजित

सम्यक जानकारी प्राप्त होती है। नराकास भुवनेश्वर के कार्यकारी अध्यक्ष डा राज कुमार सिंह ने नराकास की गतिविधियों के साथ इसके गठन के उद्देश्य और इसकी भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में उन्होंने केंद्र सरकार के कार्यालयों के प्रमुखों से अनुरोध किया कि आपसी सहयोग के माध्यम से हम नगर में राजभाषा नीतियों का कार्यान्वयन बढ़ाएं। बैठक में नराकास की वेबसाइट का निर्माण करने का निर्णय लिया गया। सदस्य सचिव नितिन जैन ने वेबसाइट के लेआउट के माध्यम से नराकास भुवनेश्वर (केंद्रीय) की आगामी वेबसाइट पर पठनीय सामग्रियों की जानकारी दी और सदस्यों से सुझाव प्राप्त किए। बैठक में सदस्य कार्यालयों के अंशदान, वार्षिक कार्यक्रम, उप समितियों का गठन आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। नराकास के सदस्य कार्यालयों से प्राप्त छमाही रिपोर्ट के आधार पर सदस्य सचिव जैन ने कुछ महत्वपूर्ण सुझावों के साथ राजभाषा नियमों के पालन का सभी से अनुरोध किया। बैठक के अंत में सदस्यों कार्यालयों से भी राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। जिसमें प्रधान लेखाकार के हिंदी अधिकारी आरएन चांद ने हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन पर अपने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन नराकास सदस्य सचिव नितिन जैन ने किया।